AMOGHVARTA

ISSN : 2583-3189

छ.ग. की विकास योजना, नरवा, गरवा, घुरवा बाड़ी के संदर्भ में ग्राम अण्डी का सामाजिक व आर्थिक सर्वेक्षण

ORIGINAL ARTICLE

Authors

डॉ भावना मोहले,

डॉ. प्रीतिबाला चंद्राकर, शीला ध्रुव,

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग, छत्तीसगढ़, भारत

शोध सार

छत्तीसगढ़ के 80 प्रतिशत जनसंख्या कृषि कार्य करके अपना जीविकोपार्जन करते है। वर्तमान सरकार द्वारा जो विकास योजना लाया गया है। जैसेः (नरवा–नाला) गाँव का पानी जो कि बह जाता है जिसे छोटा बाँध बनाकर एकत्रित करगें तो इससे भूमिगत जल स्त्रोत बढ़ेगा, गाँव के लोगो को जरूरत पढ़ने पर उसका उपयोग किया जा सकता है। (गरवा–पशुधन) जिसमें मनुष्यो के जीवनयापन की उपयोगिता समाहित है। खेत जुताई से लेकर मनुष्यो के भोजन तक पुरी हो जाती है। (घुरवा– कचरा इकट्ठा करने की जगह) खेती के बचा कचरे, घर के कचरे, जिसमें जैविक खाद बनाने की पक्रिया होती है। (बाड़ी– खेती) आज के आधुनिक युग में रसायनिक क्रियाओ का अत्याधिक उपयोग हो रहा है, जिससे पर्यावरण के प्रदुषण के कारण मानव के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव हो रहा है, जिसमे बाडी मे, सिंचाई, पशुधन का जैविक खाद की उपयोगिता के आधार पर यह योजनाएँ आने वाले भविष्य के लिए लाभदायक है।

मुख्य शब्द

नरवा, गरवा, घुरवा बाड़ी, सामाजिक आर्थिक विश्लेषण.

प्रतिदर्श ग्राम पंचायत अण्डी सामान्य परिचय

सामान्य परिचय

छत्तीसगढ़ राज्य के बालोद जिले में स्थित ग्राम पंचायत अण्डी, तहसील डौंडी लोहारा से उत्तर दिशा में 2 किमी की दूरी पर लगा हुआ है। ग्राम पंचायत अण्डी 5 गांवों के सीमा से लगा हुआ है। अण्डी से उत्तर दिशा में खैरीडीह, दक्षिण दिशा में डौंडीलोहारा, पूर्व दिशा में सम्बलपुर, उत्तर–पश्चिम दिशा में कोटेरा एवं पश्चिम–दक्षिण दिशा में धनगांव की सीमा से लगा हुआ है।

ग्राम पंचायत अण्डी का क्षेत्रफल 503,48 हेक्टेयर में फैला हुआ है। 2011 के अनुसार ग्राम अण्डी की जनसंख्या 1820 व्यक्ति हैं, जिसमें महिला 944 एव पुरूष 857 है। साक्षरता की दृष्टि से ग्राम अण्डी में 65.3 प्रतिशत (1189) है जिस में पुरुषों की साक्षरता 70.1 प्रतिशत (644) एवं महिला साक्षरता 29.9 प्रतिशत (545) है। वहीं जनसंख्या मे अनुसूचित जनजाति में 67 (37.2 प्रतिशत), अनुसूचित जाति 25 (14 प्रतिशत), अन्य पिछड़ा वर्ग में 1088 (59.78 प्रतिशत) तथा सामान्य वर्ग के 30 (1.64 प्रतिशत) है। वहीं कार्य करने वाले व्यक्ति 55.4 प्रतिशत है। वहीं 0 से 6 वर्ष के बच्चे 226 हैं।

प्रति दर्शग्राम पंचायत अण्डी

स्थिति एवं विस्तार

छ.ग. राज्य के बालोद जिले में स्थित डौंडीलोहारा तहसील के ग्राम पंचायत अण्डी धरातल पत्रक क. 64/1 है तथा 20045′ से 20052′30" उत्तरी अक्षांश तथा 8100′′ से 8107′30" पूर्वी देशांतर पर स्थित है। इसका मापांक 1:550,000 प्रदर्शक भिन्न है, अर्थात् मानचित्र का दो सेमी धरातल के 4 कि. मी. को प्रदर्शित करता है। इस प्रकार प्रति दर्शग्राम पंचायत अण्डी की संरचना मध्यम श्रेणी की है।

उच्चावच

उच्चावच का अध्ययन करने से पहले स्थानिक उँचाईयों, समोच्च रेखाओं एवं प्रयुक्त रंगों की सहायता से निश्चित करते हैं। इस प्रकार धरातल पत्रक में प्रदर्शित भूभाग या सर्वेक्षण ग्राम पंचायत अण्डी समुद्र तल से उँचाई 320 मीटर है।

जलवायु

किसी क्षेत्र की जलवायु वहां के फसलों, वनस्पति, उत्पादन और मानव जीवन को प्रत्यक्ष रूप से प्रभाव डालता है। ग्राम अण्डी की जलवायु मानसूनी है। यहाँ की जलवायु को तीन भागो में विभक्त किया जा सकता हैः

1. वर्षा कालीन– 15 जून से अक्टूबर तक।
2 शीत कालीन– 15 अक्टूबर से फरवरी तक।
3 ग्रीष्म कालीन– 15 फरवरी से जून तक।

तापमान

तापमान–मौसम एवं जलवायु तत्व है, जो कृषि तथा मानवीय क्षमता पर सीधा प्रभाव डालता है। ग्राम–अण्डी का औसत वार्षिक तापमान 96 डिग्री सेन्टीग्रेड है। यहाँ मई, जून में सबसे अधिक गर्म रहता है तथा अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेंटीग्रेड रहता है तथा शीतकाल में दिसम्बर माह सबसे ठण्ड होता है। न्यूनतम तापमान 15 डिग्री से 20 डिग्री सेंटीग्रेड होता है।

वर्षा

प्रतिदर्श ग्राम पंचायत अण्डी में उष्ण कटिबंधीय मानसूनी जलवायुप्रदेश के क्षेत्र में माना जाता है। यहाँ मानसूनी जलवायु पाया जाता है। यहाँ वर्षा मुख्य रूप से दक्षिण पूर्वमान सूनी पवनों द्वारा होता है, जो 15 जून से अक्टूबर माह तक रहताहै। यहाँ कुल वर्षा 80 प्रतिशत जून से सितम्बर माह में होती है यहाँ औसत वार्षिक वर्षा 440 सेमीं. तक होता है।

मिट्टी

मिट्टी भारत जैसे कृषि प्रधानदेश की अर्थव्यवस्था का मूल आधार है व मानव के लिए रोटी, कपड़ा मकान जैसे अनिवार्य आवश्यकताएं प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रुप से आधारित है।

ग्राम पंचायत अण्डी में मिट्टी का वर्गीकरण

मिट्टी सर्वत्र समान नहीं होता, इसके रंग, ऊर्जा, शक्ति जल ग्रहण क्षमता, कणों का आकार इत्यादि के आधार पर ग्राम अण्डी का अध्ययन क्षेत्र में मिट्टी को निम्नलिखित तीन भागों में विभाजित किया गया हैः

1. कन्हार मिट्टी

यह मिट्टी लार्वा निर्मित मिट्टी होती है, इसमे जल ग्रहण करने की क्षमता अधिक होती हैं, जिसके कारण सिंचाई की आवश्यकता कम पड़ती है। इनके कणों का आकार सूक्ष्म होने के कारण लम्बे समय तक आर्द्रता बनी रहती है। इस मिट्टी में चूना, पोटाश, नाइट्रोजन एवं फॉस्फोरस की मात्रा अधिक होती है, जो कृषि भूमि के लगभग 49.65 प्रतिशत भाग पर स्थित हैं।

प्रतिदर्शग्राम का उपग्रह द्वारा प्राप्त मानचित्र

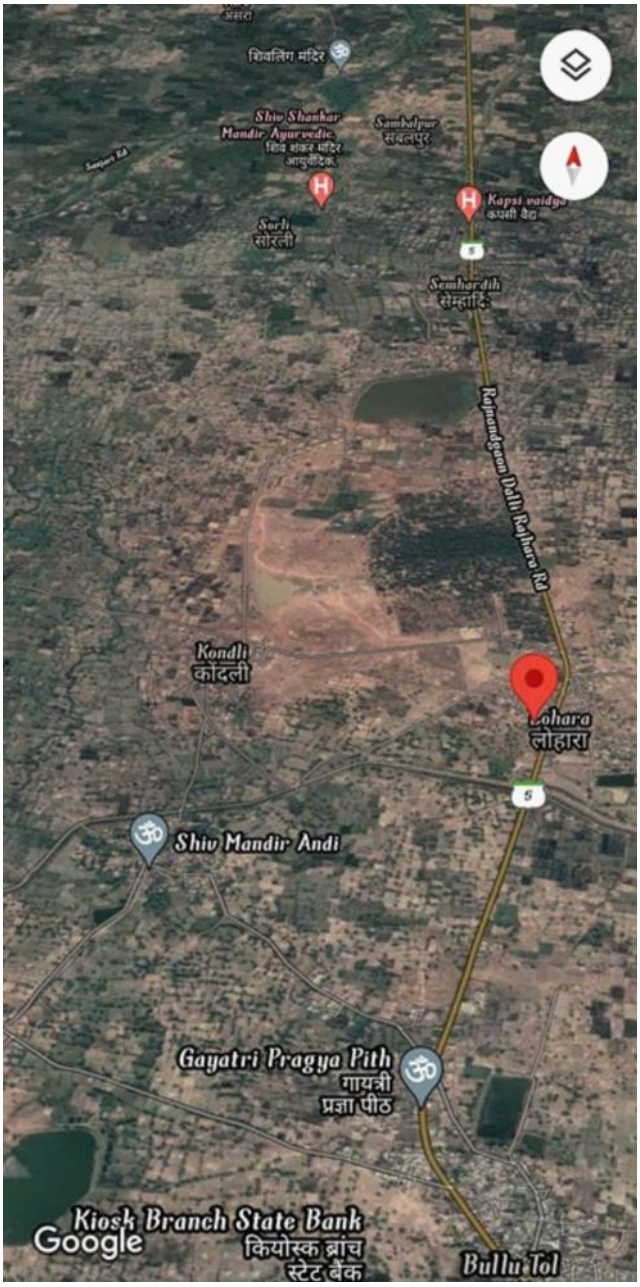

(स्त्रोतः ग्राम अण्डी, सेटेलाईट चित्र)

2. मटासी मिट्टी

यह महीन कण वाली लाल, पीली, रंग की मिट्टी है इसमें पोटाश तथा चूना पर्याप्त मात्रा में रहता है। इसमें जल ग्रहण करने की क्षमता अधिक नही होती है। अध्ययन क्षेत्र के लगभग 26.41 प्रतिशत भू–भाग पर इस मिट्टी का विस्तार मिलता है। इसमें नमी धारण करने की क्षमता कम होने के कारण सीधे पकने वाली फसल ली जाती है।

3. भाठा मिट्टी

कन्हार एवं मटासी के मिश्रण को भाठा मिट्टी कहा जाता है। रंग की दृष्टि से यह गहरी भूरी या कालापन लिये हुए होती है। इसके अतिरिक्त इस मिट्टी में मैग्नीज, नाईट्रोजन और फॉस्फोरस का मात्रा भी साधारण होती है। इसमें जल ग्रहण क्षमता अधिक होती है, कृषि की दृष्टि से इस मिट्टी को उच्च किस्म की मिट्टी माना जाता है। अध्ययन क्षेत्र के कुल 23.83 प्रतिशत भू–भाग पर विस्तार है।

वन

यह क्षेत्र उष्णकटिबंधीय जलवायु क्षेत्र में आने के कारण यहा कुछ ही क्षेत्रो में एवं बिखरे हुए वृक्ष मिलते है जिसमें वर्षा ऋतु में पर्याप्त जल उपलब्ध होने के कारण विभिन्न प्रकार के वृक्ष उग जाते है। वृक्षों में हरियाली छा जाती हैं जिससे वन अधिक सघन दिखाई देती है।

यहाँ पर सागौन, बबूल, नीम, आम, इमली, बरगद, पीपल, करही, बेर आदि वृक्ष प्राप्त होते है, जिसे सुपड़ी जंगल कहते हैं, जिसके कारण यहाँ पर 7.09 प्रतिशत वन पाया जाता हैं।

सिंचाई

प्रतिदर्श ग्राम–अण्डी में सिंचाई के लिए खरखरा जलाशय से जुड़ी हुई नहर–नाली का प्रयोग किया जाता है, जिसमें सिंचित क्षेत्रफल 48.15 हेक्टेयर 10.37 प्रतिशत पर सिंचाई होता है। वहीं नलकूप से 11.93 हेक्टेयर 2.57 प्रतिशत में सिंचाई किया जाता हैं।

यातायात

मनुष्य एक स्थान से दूसरे स्थान में गमन करने के लिए परिवहन के साधनों का उपयोग करता है। ग्राम पंचायत अण्डी में यातायात के साधन में सड़क मार्ग उपलब्ध है।

परिचय

प्रस्तुत क्षेत्रिय अध्ययन प्रति वेदन में छ.ग. राज्य के बालोद जिला का डौण्डी लोहारा विकासखण्ड के अंतर्गत ग्राम–अण्डी का सामाजिक अध्ययन हेतु किया गया है। ग्राम–अण्डी, डौण्डी लोहारा तहसील से 2 किमी उत्तर की ओर स्थित है। ग्राम पंचायत का पटवारी हल्का नं.–39 है। पटवारी कार्यालय डौण्डी लोहारा में स्थित हैं। इस गांव का कुल क्षेत्रफल 503.48 हेक्टेयर है। यहाँ मकानों की कुल संख्या 338 है तथा निवासियों का मुख्य व्यवसाय कृषि कार्य है।

जनसंख्या

भूगोल का अध्ययन मानव निर्मित है, मानव ही एक ऐसा प्राणी हैं, जो प्राकृतिक वातावरण का समुचित उपयोग है तथा किसी क्षेत्र की आर्थिक विकास में वहाँ के निवासियों का विशेष योगदान होता है क्योंकि क्षेत्र विशेष की प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग तथा क्षेत्र के औद्योगिक एवं व्यावसायिक उन्नति वहाँ के निवास करने वाली जनसंख्या के वितरण, घनत्व एवं अन्य विशेषताओं से जुड़ी होती है।इसलिए किसी क्षेत्र विशेष की सामाजिक, आर्थिक अध्ययन करते समय वहाँ की जनसंख्या का आकार एवं अन्य विशेषताओं का अध्ययन करना आवश्यक होता है।

ग्राम पंचायत अण्डी की जनसंख्या

सर्वेक्षित ग्राम अण्डी की जनसंख्या 1820 है इसमें पुरुषों की संख्या 857 एवं स्त्रियों की संख्या 964 है।

आयु संरचना

यहाँ के जनसंख्या का अध्ययन उसकी आयु संरचना के बिना अधूरा हैं क्योंकि आयु संरचना का महत्वपूर्ण लक्षण है। इस लक्षण का संबंध यहाँ की आर्थिक विषय से जुड़ा हुआ हैं। मनुष्य की आयु उसकी कार्य क्षमता व विचारों को प्रभावित करती हैं तथा जनसंख्या की कार्मिक क्षमता एवं योजनाओं के निर्धारण के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण घटक आयु संरचना होती है।

इसमें दो बातों का ज्ञान होता हैं:

1. वास्तविक मानवीय श्रम शक्ति कितनी है।
2. भविष्य में कितने लोगों के लिए शिक्षा एवं अन्य कल्याणकारी योजनाएं बनाई जानी है।

सर्वेक्षित ग्राम अण्डी : जनसंख्या का आयु संरचना 2020–21

क्र.	आयु–वर्ग	पुरूष	प्रतिशत	महिला	प्रतिशत	योग	प्रतिशत
1.	0–5	16	13.33	15	11.53	31	12.4
2.	6–10	6	5.00	8	6.15	14	5.6
3.	11–15	8	6.66	11	8.46	19	7.6
4.	16–20	12	10.00	10	7.69	22	8.8
5.	21–35	36	30.00	34	26.15	70	28.0
6.	36–59	35	29.16	39	30.00	74	29.6
7.	60 से अधिक	7	5.83	13	10.00	20	8.0
	योग	120	100.00	130	100.00	250	100.0

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

ग्राम अण्डी में 48 प्रतिशत पुरूष एवं 52 प्रतिशत महिलाओं की जनसंख्या है।

ग्राम अण्डीः जनसंख्या का आयु संरचना 2020–21

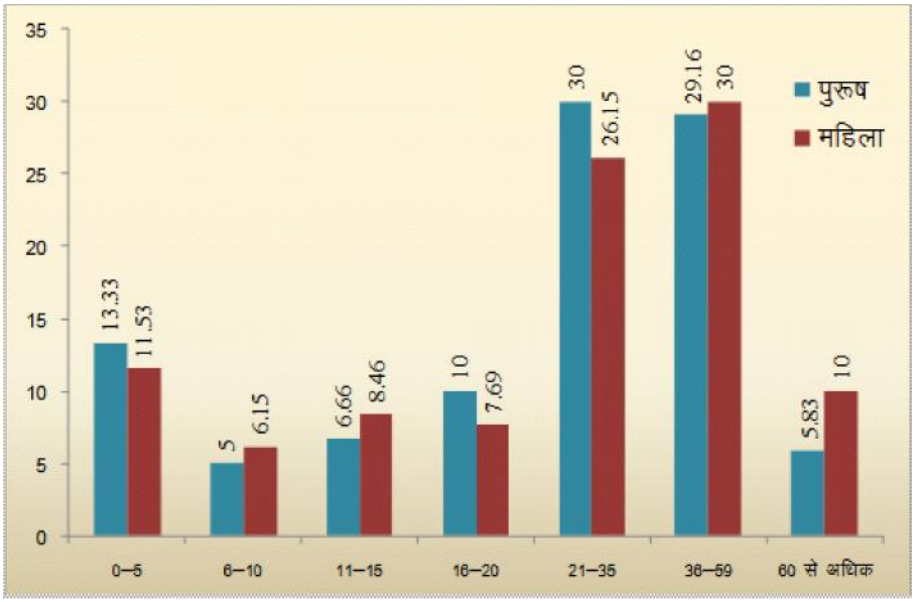

प्रतिदर्श ग्राम पंचायत अण्डी में लिंगानुपात

जनसंख्या में लिंग संरचना एक सीमा तक इस क्षेत्र की सामाजिक एवं सांस्कृतिक रीति–रिवाजों का निर्धारक तत्व होता है। स्त्रियों की अधिकता होने से बहु–पत्नि प्रथा का विकास होगा। इसके विपरीत यदि स्त्रियों की संख्या कम और पुरूषों की संख्या अधिक हो तो अनेक सामाजिक बुराईयों को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही बहु–पति का विकास होगा। इस प्रकार जनसंख्या के लिंगानुपात से सामाजिक एवं सांस्कृतिक प्रथाओं का निर्माण होता है, जिससे जनसंख्या के अनेक घटको जैसेः जन्मदर, मृत्युदर, विवाह की आयु इत्यादि प्रभावित होती ही है तथा आर्थिक स्थिति पर भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रुप से प्रभाव पड़ता है।

लिंगानुपात ज्ञात करने के लिए प्रति हजार पुरुषों पर स्त्रियों की संख्या ज्ञात की जाती हैं। इसे सूत्र के रुप में निम्नानुसार व्यक्त किया जा सकता हैः

$$\text{लिंगानुपात} = \frac{\text{स्त्रियों की संख्या}}{\text{पुरूषों की संख्या}} \times 1000$$

प्रति दर्शग्राम अण्डी में लिंगानुपात 2020–21

क्रमांक	आयुवर्ग	कुल जनसंख्या	पुरूष	महिला	लिंगानुपात
1.	0–5	31	16	15	937.50
2.	6–10	14	6	8	1333.33
3.	11–15	19	8	11	1375.00
4.	16–20	22	12	10	833.33
5.	21–35	70	36	34	944.44
6.	36–59	74	35	39	11.14
7.	60 से अधिक	20	7	13	1857.14
	योग	250	120	130	1083.33

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

प्रति दर्शग्राम अण्डी में लिंगानुपात प्रतिहजार पुरूषों पर 1083.33 स्त्रियों की संख्या है।

प्रति दर्शग्राम अण्डी में लिंगानुपात 2020–21

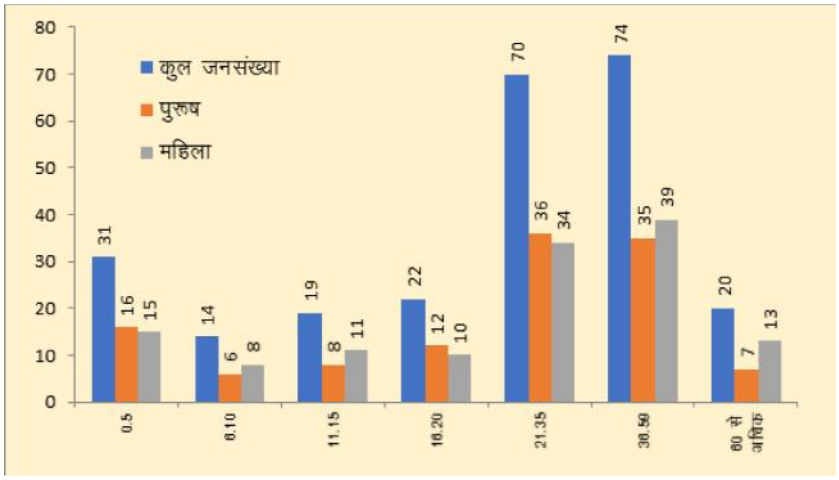

जाति संरचना

मनुष्य स्वभाव से एक सामाजिक प्राणी है। समाज में अनेक स्वभाव एवं प्रकृति के लोग रहते हैं, अपनी प्रकृति के आधार पर प्रत्येक परिवार विशिष्ट कार्य में संलग्न रहते हैं। इसी कार्य या व्यवसाय के आधार पर इनकी जाति का निर्धारण होता है, जो आज भी वर्तमान स्थिति में लागू है। इसी जाति व वर्ण का अध्ययन यहाँ पर किया जा रहा हैं, क्योंकि लोगों का जाति के आधार पर ही वहाँ की व्यवसायिक एवं आर्थिक संरचना को समझा जा सकता है। ग्राम पंचायत अण्डी में चार प्रकार के जाति वर्ग के लोग निवास करते हैं।

प्रतिदर्श ग्राम–अण्डी जाति संरचना 2019–20

क्रमांक	जातिवर्ग	परिवारों की संख्या	प्रतिशत
1.	अन्य पिछड़ा वर्ग	21	60.00
2.	अनुसूचित जनजाति	12	34.28
3.	अनु.जाति	1	2.85
4.	सामान्य वर्ग	1	2.85
	योग	35	100.00

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

सर्वेक्षित ग्राम–अण्डी में अन्य पिछड़ा वर्ग के लोग अधिक निवास करते हैं जिसमें पिछड़ा वर्ग में तेली, मरार, यादव, देवांगन, नाई, लोहार, कलार आदि है। जिसमें ग्राम अण्डी में 60 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग के लोग निवास करते हैं, वहीं अनुसूचित जनजाति 34 प्रतिशत जनसंख्या के साथ निवास करता है, जिसमें सिर्फ हल्बा आदिवासी है। अनुसूचित जाति के अंतर्गत महार जाति के लोग निवास करते हैं। सामान्य वर्ग के अंतर्गत ब्राम्हण जाति के लोग भी निवास करते हैं।

प्रति दर्शग्राम–अण्डी जाति संरचना 2019–20

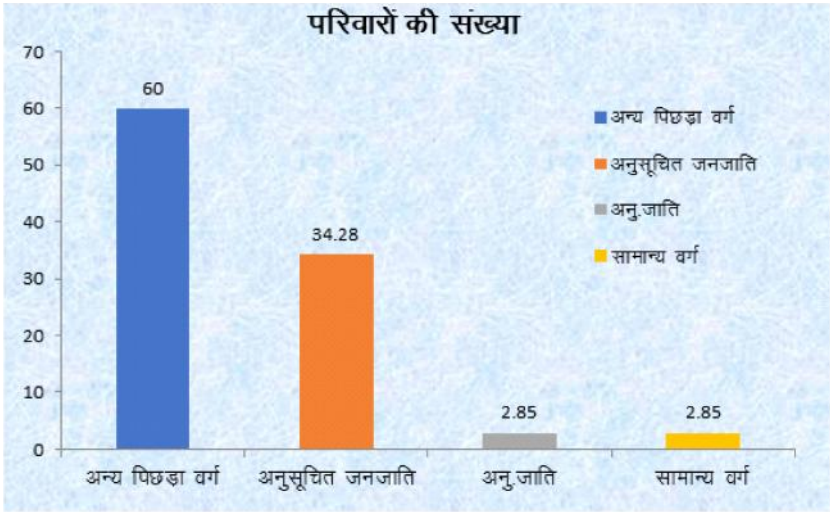

शिक्षा

वर्तमान परिवेश में शिक्षा को सामाजिक एवं सांस्कृतिक उत्कर्ष रीढ़ कहा जाता हैं क्योंकि शैक्षिक स्तर के साथ आवासीय परिवेश एवं आर्थिक स्थिति का धनात्मक संबंध होता है। अतः क्षेत्र विशेष की जनसंख्या का शैक्षणिक स्तर संबंधी ज्ञान महत्वपूर्ण हो गया है। वर्तमान समय में वहीं क्षेत्र उचित ढंग से सामाजिक, आर्थिक विकास कर सकता है।

प्रतिदर्श ग्राम अण्डी शैक्षणिक स्तर 2020–21

क्र.	शिक्षा का स्तर	पुरूष	प्रतिशत	महिला	प्रतिशत	योग	प्रतिशत
1.	प्राथमिक शाला	20	21.50	20	22.47	40	21.73
2.	माध्यमिक शाला	16	16.84	21	23.59	37	20.10
3.	हाईस्कूल	19	20.00	25	28.08	44	23.91
4.	हायर सेकेण्डरी	18	18.94	8	8.98	26	14.13
5.	स्नातक	11	11.57	12	13.48	23	12.50
6.	स्नातकोत्तर	11	11.57	3	3.37	14	7.60
	योग	95	100.00	89	100.00	184	100.00

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

प्रतिदर्श ग्राम –अण्डी में शिक्षा संस्थान के रुप में आंगन बाड़ी, शासकीय प्राथमिक शाला, पूर्व माध्यमिक शाला संचालित हैं। अतः यहाँ के बच्चें उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शिक्षा प्राप्ति के लिए गांव से 2 किमी दूर डौण्डीलोहारा जाते हैं। वही महाविद्यालय के लिए भी डौंडीलोहारा जाते हैं।

प्रतिदर्श ग्राम अण्डी शैक्षणिक स्तर 2020–21

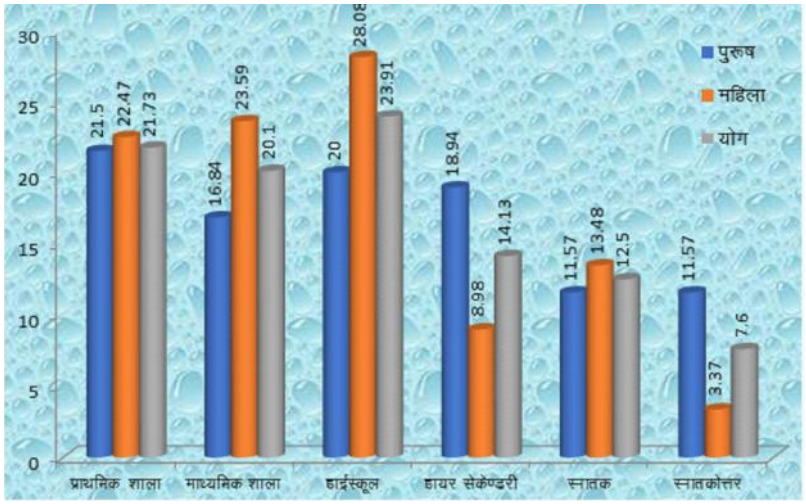

सर्वेक्षित ग्राम अण्डी साक्षरता 2020–21

क्र.	वर्ग	साक्षर संख्या	प्रतिशत	निरक्षर	प्रतिशत
1.	पुरूष	95	79.17	25	28.83
2.	महिला	89	68.47	41	31.53
	योग	184	73.60	66	26.40

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट हैं कि यहाँ पुरुष साक्षर की संख्या सर्वाधिक है, जिसमें 95 (79.17 प्रतिशत) पुरुष साक्षर हैं। महिला साक्षर में 89 (68.47) है जिसमें सर्वेक्षित ग्राम में शिक्षा स्तर 73.6 (184) प्रतिशत शिक्षित है। वहीं अशिक्षित में 26.4 (66) प्रतिशत अशिक्षित है जिसमें कुछ 5 वर्ष से कम आयु के बच्चे है।

सर्वेक्षित ग्राम अण्डी साक्षरता 2020–21

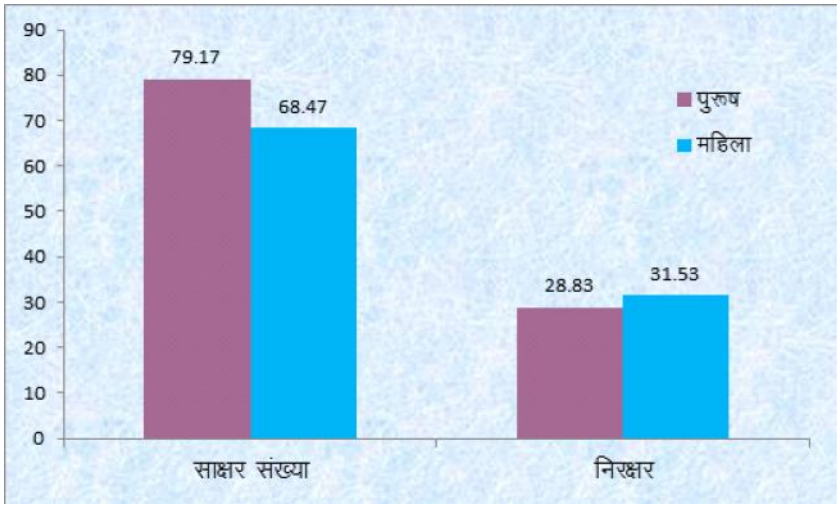

व्यवसायिक संरचना

जीवन यापन के लिए जो कार्य किये जाते है उसे व्यवसाय कहते हैं। विभिन्न प्रकार के व्यवसाय प्रत्येक क्षेत्र में प्रचलित है, जिसमें कृषि को मुख्य व्यवसाय माना गया है।

व्यवसाय विशेष की प्रधानता से उस क्षेत्र का आर्थिक विकास स्तर एवं दिशा का भी ज्ञान होता हैं अतः व्यवसायिक संरचना का अध्ययन अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

प्रतिदर्श ग्राम अण्डी–व्यवसायिक संरचना 2020–21

क्र.	व्यवसाय	पुरूष	प्रतिशत	महिला	प्रतिशत	योग	प्रतिशत
1.	कृषि	45	52.94	50	67.56	95	59.74
2.	खेतिहर मजदूर	20	30.52	21	28.37	41	25.78
3.	शासकीय नौकरी	4	4.70	1	1.35	5	3.14
4.	अशासकीय नौकरी	7	8.23	0	0.00	7	4.40
5.	अन्य कार्य	9	10.58	2	2.70	11	6.91
	योग	85	100.00	74	100.00	159	100.00

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

$$\frac{\text{व्यक्तिगत व्यवसाय}}{\text{कुल जनसंख्या}} \times 1000$$

$$\frac{159}{250} \times 100 = 63.6$$

सर्वेक्षित ग्राम में कुल व्यवसाय कार्य 159 (63.6) प्रतिशत करते हैं। वही 85 पुरुष एवं 74 महिला कार्य करते हैं।

प्रतिदर्श ग्राम अण्डी–व्यवसायिक संरचना 2020–21

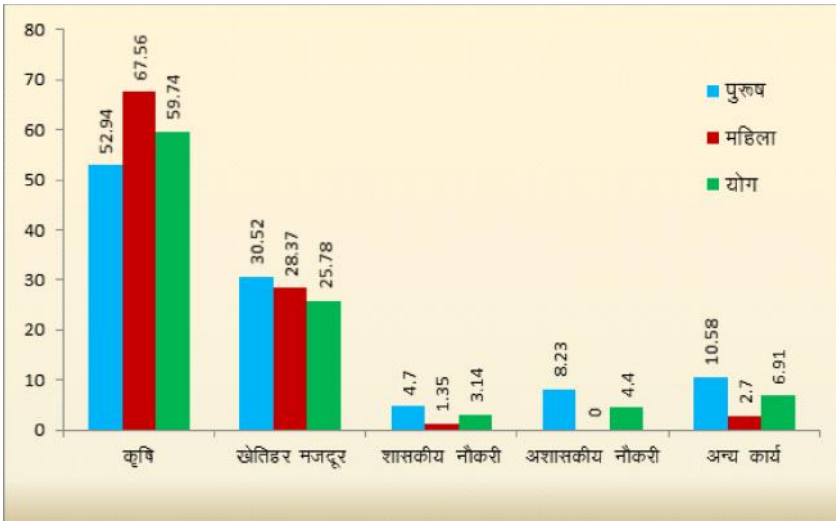

आय

प्रत्येक गांव और परिवारों के आय में पर्याप्त भिन्नता होती है। यही भिन्नता उसके रहन–सहन के ढंग पोषण स्तर, शिक्षा आदि बातों को प्रभावित करती हैं जिनमें प्रत्येक परिवार के जीवन स्तर में काफी विविधता मिलती है इससे उन परिवारों के साधनों से प्राप्त आय के आधार पर माना जा सकता हैं। अतः कुल आय का अध्ययन भी महत्वपूर्ण है।

प्रतिदर्श ग्राम–अण्डी परिवारिक आय 2020–21

क्र.	आय वर्ग	आय सीमा	परिवारों की संख्या	प्रतिशत
1.	अति निम्न	20000 से कम	02	5.71
2.	निम्न	20000 से 40000	18	45.71
3.	मध्यम निम्न	40000 से 60000	11	31.42
4.	मध्यम वर्ग	60000 से 80000	04	11.42
5.	उच्चवर्ग	80000 से अधिक	02	5.71
	योग		35	100.00

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

उपरोक्त सारणी के आधार पर प्रतिदर्श ग्राम अण्डी में दो परिवार अति निम्न में आते हैं। निम्न आय के परिवार कृषि एवं मजदूरी पर अश्रित रहते हैं। उच्च आय वर्ग के अंतर्गत 5.71 प्रतिशत परिवार आते हैं, जो नौकरी या व्यवसाय तथा सम्पन्न परिवार से हैं। अतः कहा जा सकता है ग्राम अण्डी के आर्थिक दशा चिंतनीय हैं।

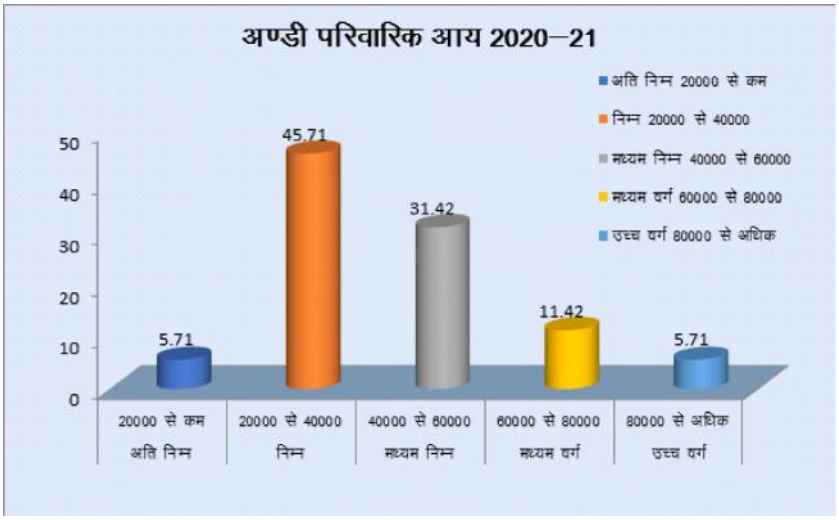

कृषि

प्रतिदर्श ग्राम अण्डी के अधिकांश निवासों का मुख्य व्यवसाय कृषि कार्य हैं जिनकी जीविका के साधन एवं आर्थिक आधार कृषि पर निर्भर हैं।

प्रतिदर्श ग्राम–अण्डी में कृषि मुख्य रुप से वर्षा पर निर्भर रहती हैं। यहाँ कृषि का कार्य परंपरागत ढंग से छिड़काव विधि द्वारा हल से जोतकर की जाती है।

भूमि उपयोग आयोजन का उद्देश्य किसी भी क्षेत्र के भूमि का प्रति हेक्टेयर अधिकतम और बहु–प्रयोजन उपयोग से है, जिससे उस भूमि का कोई भाग व्यर्थ न पड़ा रहे।

भूमि उपयोग को प्रभावित करने वाले कारक

भूमि उपयोग प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक उत्पादनों के संयोग का प्रतिफल है किसी भी क्षेत्र के भूमि उपयोग को प्रभावित करने वाली दो दशा यें होती हैं:

1. भौतिक तत्व एवं
2. मानवीय तत्व।

1. **भौतिक तत्वः** भूमि उपयोग के क्षेत्र में आज के वैज्ञानिक युग में मानव विकसित तकनीकी ज्ञान के पश्चात्

भी भौतिक तत्वों के नियंत्रण को कम करने में बहुत कम सक्षम हो पाया है। अतः भौतिक तत्वों का नियंत्रण विशेष रुप से प्रभावशाली रहता है।

2. **मानवीय तत्वः** इसके अंतर्गत जनसंख्या वृद्धि से बढ़ते दबाव, उनकी आवश्यकतायें, यातायात के साधनों, विविध संस्थागत तत्वों मानव को प्राविधिक ज्ञान एवं शासकीय नीतियों का अध्ययन किया जाता है।

भूमि उपयोग

यदि किसी भू–भाग पर मानवीय छाप अंकित है तो उस भाग के लिए भूमि शब्द का उपयोग होता है। एक निश्चित कार्य एवं उद्देश्य के साथ भूमि का किसी भी रुप में उपयोग ही भूमि उपयोग कहलाता है।

प्रतिदर्श ग्राम–अण्डी

क्र.	भूमि के प्रकार	क्षेत्रफल हेक्टेयर में
01.	गांव का कुल क्षेत्रफल	503.48
02.	कृषि के लिए जो भूमि अयोग्य है	384.79
03.	गैर कृषि कार्य में लायी गई भूमि	0.70
04.	सरकारी भूमि	99.36
05.	सिंचित कृषि भूमि	56.38
06.	असिंचित कृषि भूमि	328.41
07.	आबादी भूमि	9.66
08.	सुपड़ी जंगल	35.34
09.	पानी के नीचे	35.72
10.	पहाड़ व चट्टान	1.74
11.	इमारत, सड़क, वगैरह	16.90
12.	पुरानी पड़ती दो से पाँच साल	7.04
13.	चालू वर्ष की पड़ती भूमि	1.84
14.	फसल का निरा क्षेत्रफल	384.79
15.	फसल का कुल क्षेत्रफल	463.93
16.	दो फसलीय क्षेत्रफल	79.14
17.	चारागाह क्षेत्रफल	35.40

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

भूमि उपयोग

प्रतिदर्श ग्राम–अण्डी सुराजी योजना के तहत नरवा, घुरवा, गरूवा एवं बाड़ी का सर्वेक्षण किया गया है जो निम्न प्रकार के हैं:

नरवा

कृषि कार्य के लिए खेतों में सिंचाई के लिए नहर नाला से छोटे–छोटे सहायक नहर नाला जिसे छत्तीसगढी भाषा में नरवा कहते हैं। नरवा में एनिकट बनाकर जल के बहाव को कम करके एकत्रित किया जाता हैं और उसे सिंचाई के लिए खेतों में उपयोग किया जाता हैं जिसे छत्तीसगढ़ सरकार ने सुराजी योजना के तहत नरवा का अवलोकन किया है, जिसमें किसानों को सिंचाई की सुविधा मिल सके।

प्रतिदर्श ग्राम–अण्डी कृषि भूमि एकड़ में एवं भूमि उपयोग कर सके एवं सिंचाई के लिए नरवा के तहत करी नरवा एवं खरखरा नाला से सिंचाई किया जाता हैं।

कुल कृषि भूमि क्षेत्रफल 2020–21

क्र.	जतिवार कृषि भूमि	कुल कृषि भूमि एकड़ में	सिंचित भूमि एकड़ में	असिंचित भूमि एकड़ में	अधिवास एकड़ में	बाड़ी एकड़ में
1.	अ.पि.व.	47.73	22.00	17.30	1.69	6.74
2.	अ.ज.जा.	50.18	26.50	17.50	1.45	4.76
3.	अ.जा.	3.07	3.00	.	0.03	0.05
4.	सामान्य	3.50	3.38	.	0.10	0.02
	योग	104.48	54.88	4.80	3.27	11.57

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

कुल कृषि भूमि क्षेत्रफल 2020–21

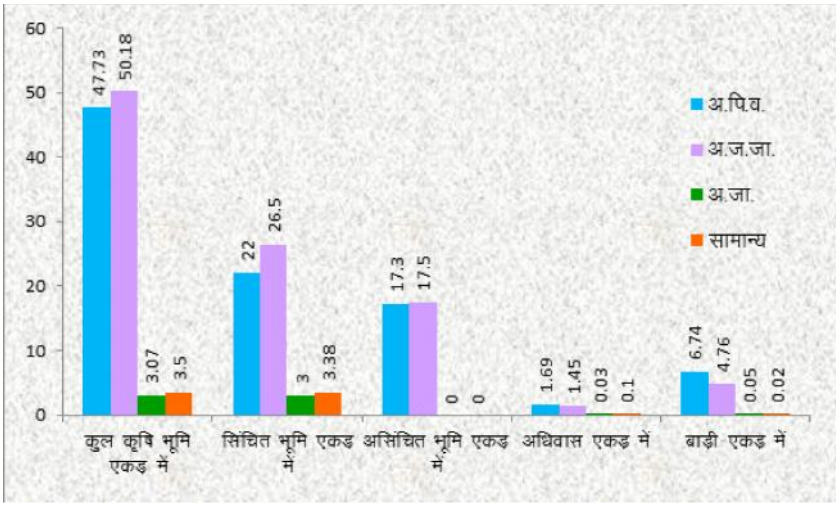

सस्य संयोजन

प्रतिदर्श ग्राम–अण्डी सस्य संयोजन के अंतर्गत–सब्जी, चावल, अरहर, गन्ना, सरसों, अलसी, तिवरा एवं गेहूँ आदि कि कृषि की जाती है, जो निम्नलिखित सुराजी योजना बाड़ी की तहत उगाने वाले साग सब्जी से है जिसमें भिन्डी, टमाटर, कुंदरु, सेमी, बरबट्टी, लौकी, मिर्च आदि को बाड़ी में लगाया जाता हैं जिसे व्यवसायिक एवं घरों के लिए उपयोग किया जाता हैं।

सस्य संयोजन में दो प्रकार की फसल उगायी जाती है। खरीफ फसल जिसे वर्षा ऋतु के जून–जुलाई में बुवाई करके अक्टूबर–नवम्बर में कटाई की जाती हैं वहीं रबी फसल जिसे दिसम्बर में लगाकर फरवरी–मार्च में कटायी की जाती है।

प्रतिदर्श ग्राम–अण्डी में खरीफ फसल ही ज्यादातर लगाया जाता हैं।

प्रतिदर्श ग्राम अण्डी में फसल विवरण

क्र.	फसलों के नाम	क्षेत्रफल एकड़ में	प्रतिशत
1.	सब्जी	5.98	5.79
2.	चॉवल	80.40	77.32
3.	अरहर	0.50	0.48
4.	अन्य	17.10	16.44
	योग	103.98	100.00

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

सर्वेक्षित ग्राम अण्डी में सस्य संयोजन के रुप में 103.98 एकड़ क्षेत्रफल कृषि भूमि के लिए उपयोग किया जाता है।

रबी फसल में तवरा, गेहूँ, सरसों, एवं अलसी आदि बोये जाते है जो निम्नलिखित हैंः

क्र.	फसलों के नाम	क्षेत्रफल एकड़ में	प्रतिशत
1.	गेंहू	1.50	5.08
2.	तिवरा	15.00	50.84
3.	सरसों	7.00	23.72
4.	अलसी	6.00	20.33
	योग	29.50	100.00

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

सर्वेक्षित ग्राम अण्डी में रबि फसल 29.5 एकड़ में बोये जाते हैं।

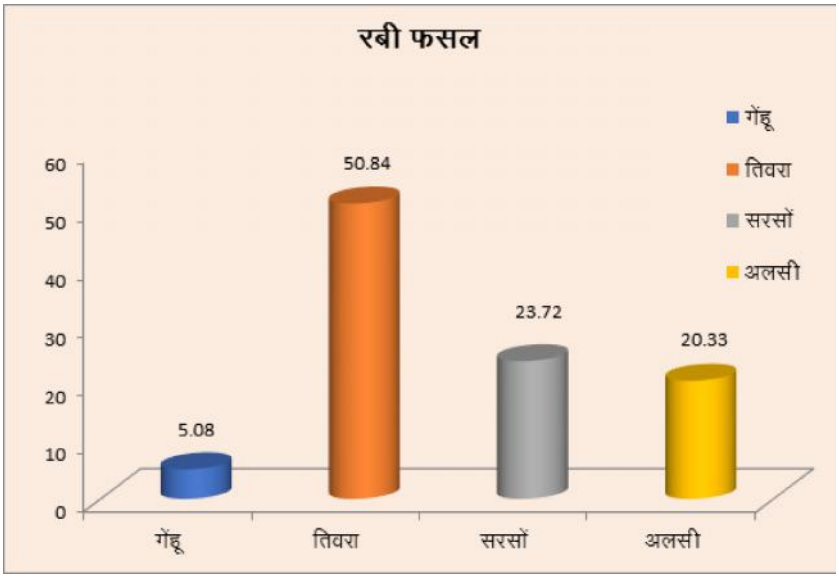

घुरवा

सुराजी योजना के तहत सरकार द्वारा ग्रामों में घुरवा का निर्माण किया जा रहा है, जिसमें पशुओं के गोबर एवं खराब पैरा को इकठ्ठा करके उसका खाद निर्माण करने के लिए ग्रामों में घुरवा का निर्माण किया जाता हैं, जिसे सड़ा–गलाकर उसे कृषि उपयोग में लाया जाता है। सुराजी योजना के तहत प्रत्येक ग्रामों में घुरवा का निर्माण किया जा रहा हैं। जिसके यहाँ पहले से पशुधन है वहाँ पहले से घुरवा का निर्माण किया गया है जो स्वभूमि पर निर्मित हैं। सुराजी योजना के तहत शासकीय भूमि पर घुरवा का निर्माण किया जा रहा है।

प्रतिदर्श ग्राम–अण्डी में घुरवा का क्षेत्रफल (वर्गफीट में) एवं स्वभूमि तथा शासकीय भूमि पर निर्माण किया गया हैं जो निम्नलिखित हैं:

क्र.	घुरवा	स्वभूमि	शासकीय भूमि
1.	32	21	11

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

प्रतिदर्श ग्राम अण्डी में घुरवा का क्षेत्रफल 46 वर्गफीट में हैं।

पशुधन

सुराजी योजना ग्राम अण्डी में गरुवा (पशु) पालन कृषि के लिए एवं दुग्ध के लिए किया जाता है। सुराजी योजना के तहत पशुओं के मलमूत्र का खाद बनाकर खेतों में छिड़काव किया जाता है जिसके लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने गोधन न्याय योजना 20 जुलाई 2020 को प्रारंभ किया। गौठानों में गोधन न्याय योजना के तहत् पशुओं के गोबर को 2 रु किलो में खरीदना प्रारंभ किया गया हैं। गोधन न्याय योजना से ग्राम वासियों को एक रोजगार मिला है। इससे पशुपालन को बढ़ावा मिला है और कृषि लागत में कमी आई है।

गोधन न्याय योजना से बने गौठानों में पशु पालकों एवं गोबर विक्रेताओं से गोबर क्रय किया जा रहा है, जिसके कारण गांव गरीब एवं किसानों को आर्थिक सहायता के साथ–साथ, गौ संरक्षण में लाभ मिल रहा है एवं फसलों की अकस्मात चराई में भी निजात मिल रही है। गोधन न्याय योजना के तहत गौठानों में निर्मित वर्मी सुपर कम्पोस्ट खाद की शासन द्वारा निर्धारित विक्रय दर खुले बाजार की अपेक्षा कम है इसलिए किसानों के बीच कम्पोस्ट खाद की मांग अधिक है।

प्रतिदर्श ग्राम–अण्डी में पशु पालन 2020–21 आंकड़े निम्नलिखित हैं:

क्रमांक	पशुधन	पशुओं की संख्या	प्रतिशत
1.	बैल	15	7.38
2.	भैंस	18	8.86
3.	गाय	78	38.42
4.	बछड़े	50	28.57
5.	बकरी	2	0.98
6.	अन्य	32	15.76
योग		203	100.00

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

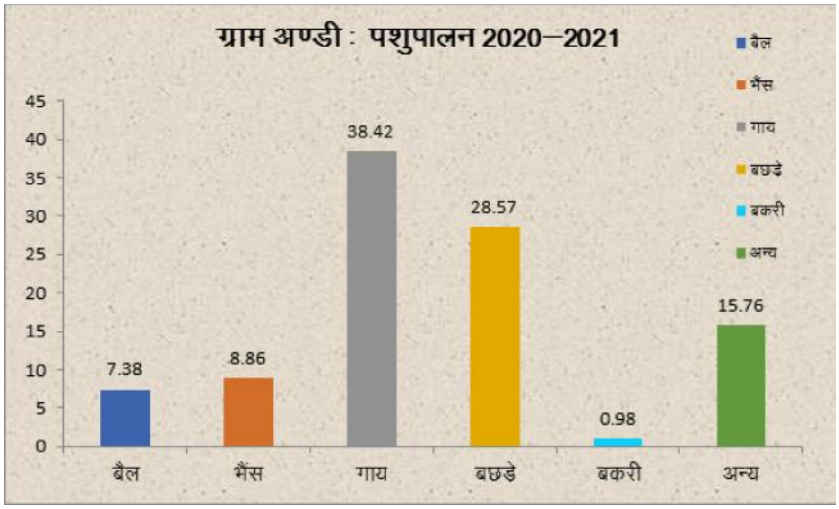

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा पशुधन विकास विभाग की योजनाएँ:

1. अनुदान पर बकरा वितरण।
2. अनुदान पर सूकरत्रयी का वितरण।
3. अनुदान पर नर सूकर वितरण।
4. उन्नत मादा मत्सपालन योजना।
5. बैक यार्ड कुक्कुट पालन योजना।
6. शत–प्रतिशत अनुदान पर सांड वितरण।
7. ग्रामोत्थान योजना/चरवाहा प्रोत्साहन योजना।
8. प्राइव्हेट कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्ता।
9. वैकल्पिक पशुआहार योजना।
10. पैरा का यूरिया उपचार।
11. बटेर पालन, जापानी बटेर का महत्व।
12. बतख पालन।
13. अनुदान पर डेयरी उद्यमिता विकास योजना।
14. अनुदान पर बकरी पालन उद्यमिता विकास योजना।
15. अनुदान पर पोल्ट्री वेंचर कैपिटल फण्ड योजना।
16. चारा उत्पादन।

पशुपालन से संबंधित योजनाएँः

1. पशुधन बीमा योजना
2. चारा और चारा विकास योजना

पशुधन बीमा योजना

पशुधन बीमा योजना एक केन्द्र प्रायोजित योजना है, जो 10 वीं पंचवर्षीय योजना के वर्ष 2005–06 तथा 2006–07 और 11 वीं पंचवर्षीय योजना के वर्ष 2007–08 में प्रयोग के तौर पर 100 चयनित जिलों में क्रियान्वित की गई थी। पशुधन बीमा योजना की शुरूआत दो उद्देश्यों, किसानों तथा पशुपालकों को पशुओं की मृत्यु के कारण हुए नुकसान से सुरक्षा मुहैया करवाने तथा पशुधन बीमा के लाभों को लोगों तक पहुँचाने तथा उनको उत्पादों के गुणवत्तापूर्ण विकास के चरम लक्ष्य के साथ लोकप्रिय बनाने के लिए किया गया।

पशुपालन, डेयरी तथा मत्स्य पालन विभाग द्वारा एक केन्द्र प्रायोजित चारा विकास योजना चलाई जा रही है, जिसका उद्देश्य चारा विकास हेतु राज्यों के प्रयासों मे सहयोग देना है। यह योजना 2005–06 से निम्नलिखित चार घटकों के साथ चलाई जा रही हैः

1. चारा प्रखण्ड निर्माण इकाईयों की स्थापना।
2. संरक्षित तृणभूमियों सहित तृणभूमि क्षेत्र।
3. चारा फसलों के बीज का उत्पादन तथा वितरण।
4. जैव प्रौद्योगिकी शोध परियोजना।

सुराजी योजना के तहत बैल एवं भैंसा जिसका उपयोग कृषि कार्य में खेत की जुताई के लिए किया जाता हैं। वहीं गाय, भैंस, बकरी, आदि दुग्ध उत्पादन करते हैं। अन्य में मुर्गी, तोता, कुत्ता, आदि का पालन किया जाता हैं।

दुग्ध पशुधन 2020–21

क्रमांक	दुग्ध पशुधन	पशुओं की संख्या	प्रतिशत
1.	भैंस	8	15.38
2.	गाय	43	82.69
3.	बकरी	1	1.92
योग		52	100.00

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

प्रतिदर्श ग्राम अण्डी में दुग्ध पशुधन गायों की संख्या 43 हैं जिसमें प्रत्येक गाय से आधा लीटर से एक लीटर तक दूध प्राप्त होता है वही भैंस से एक लीटर से दो लीटर तक दूध प्राप्त किया जाता हैं।

ग्राम अण्डी में पशुओं के चारागाह के लिए 9.11 हेक्टेयर भूमि परती के रूप में तथा 69.52 हेक्टेयर अन्य कार्यों के लिए उपलब्ध है। ग्राम अण्डी का पश्चिमी भाग भाठा जमीन है, जो कि पशुओं के चारागाह के लिए उपयुक्त है। यहाँ पशुओं के चारागाह के लिए पर्याप्त जगह है। ग्राम के निवासियों द्वारा मुख्य रूप से पशुपालन अंतर्गत गाय, बैल, भैंस आदि पालते हैं तथा कुछ कृषकों द्वारा बकरी पालन भी किया जाता है। इनके पशुपालन का मुख्य उद्देश्य कृषि कार्य, दुग्ध उत्पादन एवं कम्पोस्ट खाद निर्माण कर कृषि कार्य में इनका उपयोग करना है। प्रायः मध्यम वर्ग एवं लघु वर्ग के कृषकों द्वारा ही पशुपालन किया जाता है जबकि उच्चवर्गीय कृषकों द्वारा कृषि कार्य के लिए ट्रेक्टर तथा अन्य मशीनरी उपकरणों का प्रयोग करते हैं।

अतः यह कहा जा सकता है कि केवल मध्यम तथा लघु वर्ग के कृषकों द्वारा पशुपालन का कार्य किया जाता है एवं उच्चवर्ग कृषक जो कि कृषि कार्य के लिए केवल मशीनरी उपकरणों पर ही निर्भर होते हैं। कुछ कृषक कृषि कार्य के लिए पशुओं की अदला–बदली भी करते हैं। संक्षेप में कहा जाये तो वे पशु किराये पर लाते है और अपना कृषि कार्य पूर्ण कर पशुओं को वापस कर देते हैं।

पशुधन के चारे की पूर्ति के लिए पैरा, सूखी भूसी, हरे चारे एवं पौष्टिक पाऊडर या चूनी खिलाए जाते हैं, जिसमें हरे चारे तीन महीने ही मिलते हैं।वही पैरा साल भर खिलाया जाता है साथ ही सूखी भूसा में तिवरा, गेहूँ एवं अलसी आदि का भूसी खिलाया जाता हैं ।

निष्कर्ष

निष्कर्ष यह कहा जा सकता है कि प्रतिदर्श ग्राम अण्डी के भौतिक, सामाजिक व आर्थिक क्षेत्रीय सर्वेक्षण 2020 का मूल्यांकन करने से स्पष्ट होता है कि प्रतिदर्श ग्राम अण्डी की भौगोलिक स्थिति का अध्ययन, स्थिति एवं विस्तार, बसाव स्थल एवं आकार का अध्ययन किया गया हैं, जिसके अंतर्गत अण्डी की परिच्छेदिका, ढ़ाल विश्लेषण, सरिता श्रेणीकरन, परिवार में जनसंख्या संरचना, आयु संरचना, साक्षरता, क्रियाशील एवं अक्रियाशील जनसंख्या, भूमि उपयोग, सस्य संयोजन, घुरवा, पशुधन आदि सुराजी योजना के तहत अध्ययन किया गया हैं।

इस प्रकार से प्रतिदर्श ग्राम अण्डी के उपरोक्त विश्लेषण से स्पष्ट हैं कि प्रतिदर्श ग्राम में भौगोलिक दशाएं अनुकूल होने के कारण जनसंख्या बसा हुआ हैं। यहाँ पर अन्य पिछड़ा वर्गजाति कि जनसंख्या सर्वाधिक है तथा साथ ही साथ अनुसूचित जनजाति मध्यम संख्या में बसा हुआ हैं और अनुसूचित जाति एवं सामान्य वर्ग के दो चार परिवार निवास करते हैं।

प्रतिदर्श ग्राम अण्डी समतल मैदानी भू–भाग में बसा हुआ हैं जहाँ पर पास में खरखरा जलाशय हैं जहाँ से नाला ग्राम अण्डी के बीचों–बीच प्रवाहित होता है। ग्राम अण्डी में मिट्टियां कन्हार, मटासी, भाठामिट्टी का सर्वाधिक क्षेत्रफल हैं ।

प्रतिदर्श ग्राम अण्डी में पर्यावरण यहाँ के निवासियों के लिए अनुकूल हैं। प्रतिदर्श ग्राम अण्डी सामाजिक एवं आर्थिक दृष्टिकोण पिछड़ा हुआ हैं यहां के लोगों का जीवन स्तर उँचा उठाने के लिए उपयुक्त शिक्षा, रोजगार आदि सभी क्षेत्रों में काफी प्रयास की आवश्यकता है।

संदर्भ ग्रन्थ

1. सेंसेस ऑफ इण्डिया 2001 म. प्र. सीरिज। पेपर –प्रथम, खण्ड– एक।
2. आक्सफोर्ड स्कुल एटलस 1986 चतुर्थ संस्करण पृष्ठ 9।
3. जाल सांख्यिकी पुस्तिका 2000 जाल सांख्यिकी कार्यालय, रायपुर।
4. गलेहियर ऑफ इंडिया म. प्र. जिला रायपुर 1978 पेज 3
5. डायरेक्ट्रीट ऑफ जियोलॉजी एण्ड माइनिंग, रायपुर छत्तीसगढ़।

6. गजेहिटर ऑफ इण्डिया 1978, रायपुर जिला।
7. सेंसेस ऑफ इण्डिया 2001, म. प्र. सीरिज, –1, पेपर–1, 2002, खण्ड–1।
8. पण्डा, बी. पी. 1988, जनसंख्या भूगोल पृष्ठ 138
9. चान्दना, आर. सी. 1987, जनसंख्या भूगोल पृष्ठ 138
10. सिंग, वाय, के. 1997, कृषि श्रमिको, का भू – आर्थिक विकास में भू– आर्थिक कारको का अध्ययन, अप्रकाशित शोध प्रबंध ग्र.घा. वि. बिलासपुर पृष्ठ 45

––==00==––